दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:नवम्बर-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:नवम्बर-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

November-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र. सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	03.11.2023	भूगोल विभाग	राष्ट्रीय संगोष्ठी	1–2
2	04.11.2023	भूगोल विभाग	राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन	3–4
3	07.11.2023	प्राचीन इतिहास विभाग	स्वागत समारोह	4–5
4	17.11.2023	शिक्षाशास्त्र विभाग	स्वागत समारोह	5
5	22.11.2023	बी.एड.विभाग	उदीयमान कवि गोष्ठी	6
6	22.11.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	मतदाता जागरूकता रैली	7–8
7	23.11.2023	एन.सी.सी.यूनिट	अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट दिवस आयोजन	8–9
8	24.11.2023	एन.सी.सी.यूनिट	स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली का आयोजन	9–10
9	25.11.2023	राजनीति विज्ञान एवं रक्षा अध्ययन के संयुक्त तत्वावधान	विशिष्ट व्याख्यान	10–11
10	26.11.2023	रक्षाअध्ययन विभाग	निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन	11

November-2023

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

दिनांक 03.11.2023 गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के साथ सतत ग्रामीण विकास के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल प्रौद्योगिकी को अपनाना जरूरी है। यह कोई आवश्यक नहीं यूरोप का कोई विकास मॉडल उत्तर प्रदेश के लिए भी कारगर हो। तकनीकी आज की आवश्यकता है, पर पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए प्राचीन देसी पद्धतियों से जोड़कर इसे आगे बढ़ाना होगा।

सीएम योगी शुक्रवार को दिनांक 03.11.2023 महाविद्यालय में **'पर्यावरण, प्रौद्योगिकी और सतत ग्रामीण विकास'** विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किए। **इसका आयोजन महाविद्यालय के भूगोल विभाग की तरफ से, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से किया जा रहा है। बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि** पर्यावरण जल, भूमि, जीव–जंतुओं, पेड़–पौधों का समन्वित रूप है। यदि भूमि रहने लायक न रहे, जल पीने लायक न रहे, जीव–जंतुओं का अस्तित्व संकट में रहे तो प्रौद्योगिकी का क्या महत्व रहेगा। पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को सरकार या संस्थानों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। जैसे नगरों में कूड़ा प्रबंधन को नगरीय

निकायों की जिम्मेदारी मान ली जाती है। जबकि यह नागरिक जिम्मेदारी ज्यादा है। साथ ही इसमें महत्वपूर्ण आयाम यह है कि इसमें प्रौद्योगिकी के योगदान को बेहतर कैसे बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और संस्थानों के साथ समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे आए। उसके अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाए। इसके लिए नई प्रौद्योगिकी को देसी तकनीकी से जोड़कर जैव परिस्थिति के अनुकूल बनाकर अपनाना होगा। **मुख्यमंत्री जी ने इन विन्दुओं पर भी प्रकाश डाला। भारतीय समाज प्राचीनकाल से ही पर्यावरण के लिए संवेदनशील–**

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में समाज, देश दुनिया के लिए उपयोगी विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। पर्यावरण, प्रौद्योगिकी और सतत विकास एक ऐसा ही उपयोगी विषय है। विशिष्ट अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो वीएन शर्मा ने कहा कि प्रौद्योगिकी मानव निर्मित है, जबकि पर्यावरण जैव विविधता का भंडार होने के साथ स्वयं निर्मित है। प्रौद्योगिकी से पर्यावरण का संरक्षण होना चाहिए, न की इसका शोषण।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओम प्रकाश सिंह ने स्वागत संबोधन के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के योजनान्तर्गत मृदा परीक्षण द्वारा खेती को तकनीकि व जैव उर्वरकों के प्रयोग को बढावा मिला है। **कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया।**

संगोष्ठी का संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने एवं आभार ज्ञापन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. कमलेश मौर्य ने किया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य, राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रतिभागी, प्रो. शोभा गौड़, प्रो. एस.के सिंह, प्रो. परीक्षित सिंह, प्रो. धीरेन्द्र सिंह, प्रो. शशि प्रभा सिंह, प्रो. अर्चना सिंह सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

November-2023

राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

दिनांक 04.11.2023 को महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के **दूसरे दिन तृतीय सत्र में कुल 34 शोध पत्र** पढ़े गये। इस सत्र के मुख्य वक्ता दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के जन्तु विज्ञान विभाग के प्रो. केशव सिंह थे। इन्होंने वर्मी वास और फसल उत्पादकता विषय पर व्याख्यान दिया एवं बताया कि अपशिष्ट के प्रबन्धन के द्वारा वर्मी खाद के निर्माण तथा रासायनिक खादों की जगह पर वर्मी खाद के उपयोग को पर्यावरण के अनुकूल बताया।

संगोष्ठी के चतुर्थ सत्र में कुल 14 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। इस सत्र के **मुख्य वक्ता दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. आर.बी. पटेल** ने सतत ग्रामीण विकास के सन्दर्भ में प्रौद्योगिकी के गुणात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. अश्विनी कुमार मिश्र ने कहा कि इस संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे गॉव अपने जिस मूलभूत स्वरूप में थे उसे उसी रूप में बनाना पड़ेगा और विकास के लिए बायोफर्टिलाइजर की तरफ जुड़ना होगा इसके साथ ही हमारे गॉवों के हर खेत तक पहुॅच का मॉडल विकसित करना होगा।

विशिष्ट अतिथि प्रो. एस.के. सिंह, अध्यक्ष, भूगोल विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्य ोगिकी के ब हुत सारे सकारात्मक पक्ष के साथ ही नकारात्मक पक्ष भी सामने आये हैं हमें इनमें से सकारात्मक पक्षों को आगे बढ़ाना होगा। पारम्परिक समाज को शहरी

आवरण से आच्छादित करने से बचना होगा और गॉवों को पुनः अपने मूल स्वभाव के साथ आगे बढ़ाते हुए विकास के मॉडल को स्वीकार करना होगा। **विशिष्ट अतिथि प्रो. जे.एन.पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, भूगोल विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति में ऋषि मुनियों के विचारों का विशेष योगदान रहा है। जैसे–जैसे मनुष्य की आवश्यकताएं बढ़ती गयी उसी क्रम में प्रौद्योगिकी का आगमन हुआ और प्रकृति का दोहन हुआ। जबकि जड़ एवं चेतन दोनों भारतीय संस्कृति में पूजनीय रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास के बिना राष्ट्रीय विकास की कल्पना नही की जा सकती है। प्रकृति पूजा सदैव से ही हमारी परम्परा में समाहित है। उन्होंने कहा कि तकनीकि विज्ञान का व्यावहारिक स्वरूप है। हमें ग्रामीण स्तर पर ही संसाधनों के उपयोग पर बल दिया जाना चाहिए साथ ही पारम्परिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओम प्रकाश सिंह ने आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में विभिन्न शोध पत्रों के माध्यम से जो विचार प्रस्तुत हुए हैं वे संकलित कर उचित प्लेटफार्म पर प्रस्तुत किया जायेगा।

स्वागत समारोह का आयोजन

दिनांक 07.11.2023 के महाविद्यालय में प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से मिस्टर फ्रेशर सागर चौधरी एवं मिस फ्रेशर रेनू सिंह को चुना गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य निंय ता एवं विभाग के प्रभारी प्रो.

धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि नये विद्यार्थियों को पठन–पाठन के साथ ही व्यक्तित्व निर्माण हेतु प्रयास करना चाहिए। यदि जीवन में अनुशासन है तो सबकुछ पाया जा सकता है।

समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो अर्चना सिंह ने कहा कि नवागत का स्वागत करना भारत की एक सृमद्ध परम्परा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारा महाविद्यालय एक उत्सवधर्मी महाविद्यालय है जहाँ सीनियर व जूनियर विद्यार्थियों के बीच अकादमिक उद्देश्यों के साथ संवाद स्थापित करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। हमारी स्वस्थ परामपरायें आगे बढ़े इस हेतु सदैव प्रयास करने चाहिए।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. सुरेन्द्र चौहान, धीरज सिंह, शिव कुमार, डॉ. विवेक शाही, डॉ. संजीव सिंह, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. अभय कुमार मालवीय के साथ ही एम.ए. प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वागत समारोह

दिनांक 17.11.2023 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में एम.ए द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा एम.ए प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रत्येक छात्र को वर्तमान चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा–नीति विद्यार्थियों को प्रायोगिक बनाने पर जोर देती है। विद्यार्थी अनुशासित रहते हुए ही बेहतर तरीके से जीवन यापन कर सकता है।

कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशर रितिक तथा मिस फ्रेशर गरिमा जायसवाल को चुना गया।

November-2023

महाविद्यालय स्तर पर उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 22.11.2023 को **महाविद्यालय में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के अंतर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन बी० एड० विभाग में किया गया** जिसमें प्रतिभागियों ने समसामयिक विषयों पर अपनी स्वरचित कविताओं का सस्वर वाचन करके श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस प्रतियोगिता में **प्रथम स्थान आकाश कुमार, द्वितीय स्थान कृति पांडेय तथा तृतीय स्थान अनंत कीर्ति आनंद ने प्राप्त किया।** इस प्रतियोगिता में श्री राकेश कुमार सिंह बी० एड० विभाग, डॉक्टर अदिति दूबे हिंदी विभाग, डॉक्टर रुक्मि णी चौधरी शिक्षा शास्त्र विभाग ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ श्याम सिंह स्वागत प्रोफेसर डॉ शुभ्रा श्रीवास्तवा तथा आभार ज्ञापन डॉ राकेश कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में बी० एड० विभाग के श्री प्रदीप कुमार यादव की सक्रिय सहभागिता रही इस अवसर पर बी० एड० विभाग के प्रभारी प्रोफेसर अरुण कुमार तिवारी एवं शालिनी पारिख एवं सभी छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिका सहित अन्य विभागों के प्रतिभागी उपस्थित रहें।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली निकली

दिनांक 22.11.2023 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारो इकाइयों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत संकल्प यात्रा रैली निकली गई जिसको महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ ओम प्रकाश सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह संकल्प यात्रा महाविद्यालय के पूर्वी परिसर से निकल कर हरि ओम नगर तिराहा से होते हुए डी. एम आवास दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने से होते हुए दैनिक जागरण प्रकाशन से होते हुए एच.पी चिल्ड्रेन स्कूल आर.पी.एम अकैडमी से होते हुए महाविद्यालय में आकर स्थगित हुई।

द्वितीय सत्र में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत 1 जनवरी 2024 को जिन छात्र–छात्राओं द्वारा 18 वर्ष की उम्र पूरी कर लिया है वह ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर मतदाता बन सकते हैं इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रशासन से तहसीलदार सदर विकास कुमार सिंह नायब तहसीलदार नगर देवेंद्र प्रताप यादव नायब तहसीलदार प्रमोद कुमार श्रीवास्तव कानूनगो नगर लालजी पाठक रजिस्टार कानूनगो विवेकानंद लेखपाल हरि प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे सभी ने इस अवसर पर मतदाता जागरूकता हेतू उपस्थित छात्र छात्राओं को स्वय मतदाता बनने एवं परिवार एवं समाज में रहने वाले लोगों को जागरुक करते हुए मतदाता बनाने का सार्थक कार्य करने का आह्वान किया

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह जी ने छात्र–छात्राओं को मतदाता बनाने हेतु शपथ दिलाया एवं अपने उद्‌बोधन में कहा कि मतदान जैसा कोई भी दान नहीं होता है। अगर आप अपने मत का दान करते हैं तो उससे लोकतंत्र मजबूत होता है एक सशक्त लोकतंत्र ही किसी देश के विकास की गति को प्रदान करने में सफल होता है

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार यादव महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. कुलदीप पांडेय, डॉ. संजीव कुमार सिंह, डॉ. चंडी प्रसाद पांडेय, डॉ. भगवान सिंह, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. दीपक साहनी, डॉ. अभय मालवीय आदि उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स दिवस का आयोजन

दिनांक 23 नवम्बर, 2023 को 44 यूपी बटालियन एनसीसी, गोरखपुर के तत्वावधान में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की एनसीसी यूनिट ने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्षरू 2023 के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स दिवस का आयोजन किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सीटीओ डॉ. सुभाष चन्द्र ने एनसीसी कैडेट्स को मोटे अनाज के सेवन के लाभ व आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सुभाष चन्द्र ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा बताया कि अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के लिए 8

मोटे अनाजों बाजरा, रागी, कंगनी, चेना, सांवा, ज्वार, कुटकी एवं कोदो को चिन्हित किया गया है। **वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष'** के रूप में मनाने का प्रमुख उद्देश्य किसानों को मोटे अनाज उगाने के लिए प्रेरित करना, मोटे अनाज को लोगों की थाली तक पहुँचाने के लिए जागरुक करना तथा मिलेट के प्रोसेस्ड फूड यानी प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देना है। जागरूकता रैली महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर, हरिओम चौराहा, इन्दिरा बाल विहार चौराहा, गोलघर पुलिस चौकी, कचहरी चौराहा से होते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मैदान पर समाप्त हुआ। रैली में कैडेटों ने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023, मोटे अनाजों के प्रयोग तथा उससे होने वाले फायदों से सम्बन्धित नारे भी लगाये।

रैली में महाविद्यालय के सीटीओ. डॉ. सुभाष चन्द्र, इंस्ट्रक्टर सत्येन्द्र कुमार यादव, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, श्री राकेश कुमार सिंह तथा अन्य प्रधायपकगण उपस्थित रहे।

एन.सी.सी दिवस के अवसर पर पुनीत सागर अभियान 2023–24 के तहत स्वच्छता आभियान एवम् जागरुकता रैली का आयोजन

दिनांक 24.11.2023 को एनसीसी दिवस के अवसर पर 44 यूपी बटालियन एनसीसी, गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट ने पुनीत सागर अभियान 2023–24 के तहत जागरूकता रैली तथा स्वच्छता कार्यक्रम का अयोजन कियइं सर्वप्रथम एनसीसी कैडेट्स के द्वारा नौका विहार, तारामंडल के क्षेत्र में जलीय क्षेत्रों जैसे नदी, झील, धारा, तालाब, जलाशय आदि की स्वच्छता के प्रति तथा कूड़ेदान का प्रयोग

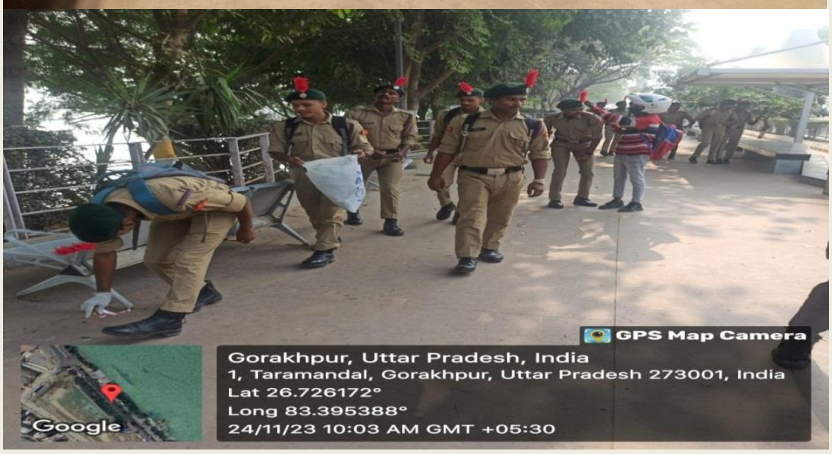

November-2023

करने हेतु जागरूकता रैली का आयोजन करके लोगों को जागरूक किया गया।

उसके उपरान्त दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून/यूनिट के कैडेट्स नौका विहार, रामगढ़ ताल, गोरखपुर पर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अन्त में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने स्वच्छता कार्यक्रम के सफल आयोजन में आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु 44 यूपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल सतीश कंवर, एन.सी.सी. इंस्ट्रक्टर श्री सत्येन्द्र कुमार यादव, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों, 44 यूपी बटालियन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा एनसीसी के कैडेट्स को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया ।

विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 25.11.2023 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर विशिष्ठ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि समानता, स्वतंत्रता व बंधुतत्व भारतीय संविधान का आधार है। भारत एक ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था है जिसने अपने सभी मूल्यों को भारतीय संविधान में अपनाया। हमारे संविधान निर्माताओं ने भारतीय संविधान के

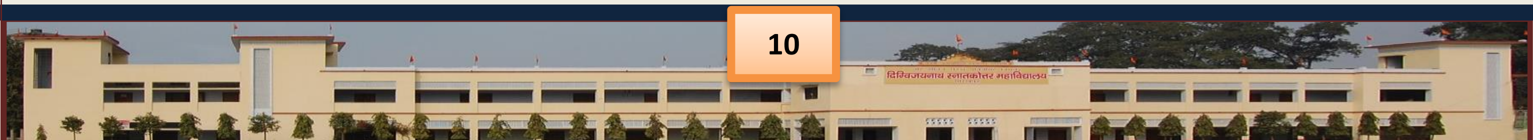

निर्माण में ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वसुधैव कुटुम्बकम को भी स्थान दिया है। उन्होंने अनु० 51 पर जोर देते हुए कहा कि इस अनुच्छेद–51 में ही हमारी ऐतिहासिक परंपरा को बढ़ावा देने हेतु विदेश नीति के संबंध में इस बात का उल्लेख किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि संविधान किसी देश के नागरिकों के संकल्पों व आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब होता है। आज के दिन का महत्व इस देश के नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाना है। इसी क्रम में संविधान ज्ञान प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिसमें स्नातकोत्तर स्तर पर सत्यम तिवारी, प्रथम स्थान, प्रिया पाण्डेय, द्वितीय स्थान एवं श्रेया चन्द को तृतीय स्थान प्रदान किया गया तथा स्नातक स्तर पर निकिता दूबे प्रथम स्थान पर, प्रियंका गुप्ता द्वितीय स्थान एवं प्रिन्स यादव को तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 26.11.2023 को महाविद्यालय में 26 नवम्बर, 2008 को मुंबई आतंकी हमले में मारे गए शहीदों की याद में महाविद्यालय में आतंकवाद एवं भारतीय सुरक्षा व्यवस्था विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 93 पंजीकृत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान विजय लक्ष्मी यादव, बी.ए. भाग–तीन (पंचम सेमेस्टर) ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर श्रेया तिवारी, बी.ए. भाग–दो (तृतीय सेमेस्टर) तथा तृतीय स्थान पर वैष्णवी पाण्डेय, भाग–दो (तृतीय सेमेस्टर) रहे।

इस अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शुभांशु शेखर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता से विद्यार्थियों की लेखन,भाषा एवं प्रस्तुतीकरण की क्षमता का विकास होता है साथ ही सामाजिक विषय पर समझ विकसित करने में भी सहायता मिलती है। इस प्रतियोगिता के आयोजक डॉ. राम प्रसाद यादव, प्रभारी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग रहे उन्होंने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी एवं प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि आज के वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों के समय में विद्यार्थियों की लेखन क्षमता के विकास हेतु इस तरह की प्रतियोगितायो का होना बहुत ही आवश्यक है।

November-2023